Indian J. Soc. & Pol. 08 (01) : 93-94 : 2021 **ISSN: 2348-0084 (PRINT)**
31 January 2021 **ISSN: 2455-2127(ONLINE)**

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

सन्तोष कुमार[1]
[1]शोध छात्र,शिक्षाशास्त्र विभाग, हण्डिया पी0 जी0 कालेज, हण्डिया, प्रयागराज, उ0प्र0, भारत

ABSTRACT

शिक्षा से सम्बन्धित योजनाओं का सफलता पूर्वक क्रियान्वित करना शिक्षकों के व्यक्तिगत व्यवहार, शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं व व्यावसायिक अभिवृत्ति पर निर्भर करता है। पूर्णतः प्रतिबद्ध, परिश्रमी व सृजनशील शिक्षकों ने शिक्षा प्रणाली में व्याप्त असन्तोष, नगण्य लाभों के बावजूद अपने–अपने व्यावसायिक दायित्वों को समर्पण के साथ सफलता पूर्वक पूर्ण किया है। दूसरी तरफ काफी संख्या में ऐसे व्यक्ति भी अध्यापक बन जाते हैं, जिनमें शिक्षण अभिक्षमता एवं अभिवृत्ति की कमी होती है। ऐसे शिक्षकों के कारण हमारे शिक्षा तंत्र पर अंगुली उठती है। प्रस्तुत शोध पत्र से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या के द्वारा हम कह सकते हैं कि लिंग के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई अन्तर नहीं होता है, जबकि विषय के आधार पर कला वर्ग के शिक्षकों की अपेक्षा विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के व्यावसायिक अभिवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक पाई जाती है। अतः कला वर्ग के शिक्षकों को भी व्यावसायिक अभिवृत्ति के प्रति अधिक सजग होकर रुचि के साथ शिक्षण कार्य को सम्पादित करना चाहिए जिससे भविष्य में होने वाले इस प्रकार के शोध या सर्वेक्षण में यह अन्तर परिलक्षित न हो।

KEYWORDS: *शिक्षा, शिक्षक, माध्यमिक स्तर, व्यवसायिक अभिवृत्ति*

हमारे शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षकों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रभावी वाक् पटुता, शारीरिक दक्षता, लेखन क्षमता, जिज्ञासा, प्रत्यात्मक स्पष्टता, ज्ञानार्जन के प्रति प्रेम, निरन्तर शिक्षण प्रवीणता सुधारने की अभिप्रेरणा, कुशल मानवीय मूल्य व शैक्षिक सहायक सामग्री निर्माण करने की इच्छा आदि का विकास करने में असफल रहते है। इन सभी विषयों, विवादो एवं जिज्ञासाओं में सम्बन्धित प्रकरण पर अध्ययन करने के लिए मुझे प्रेरित किया।

शोध के उद्देश्यः–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का लिंग के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का विषय के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाः

1. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।

2. माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों में विषय के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध विधिः–

शोध का अध्ययन पूर्ण करने के लिए प्रयागराज जनपद के अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों का चयन किया गया। इन विद्यालयों के शिक्षकों को अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित पुरुष एवं महिला तथा कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों को बराबर भाग में बाँट कर सर्वेक्षण विधि से अध्ययन किया गया है। प्रदत्तों का संकलन विद्यालय स्तर पर जा कर एकत्रित किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा क्रांतिक अनुपात (GR) का प्रयोग किया गया है।शोध उपकरण के रुप Umme Kulsum द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का संकलन–

प्रस्तुत अध्ययन को पूर्ण करने के लिए जनसंख्या मे से शिक्षको का प्रतिनिधियात्माक समूह का चयन किया गया। विद्यालयों एवं शिक्षकों का चयन प्रयागराज जनपद मे किया गया है, इसके लिए 60 विद्यालयों के 600 शिक्षकों का सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार किया गया। इसमें इसकी रुपरेखा निम्न प्रकार से है।

न्यादर्श

अनुदानित महाविद्यालय के शिक्षक				**स्ववित्तपोषित विद्यालय के शिक्षक**			
300				300			
पुरुष शिक्षक		महिला शिक्षक		पुरुष शिक्षक		महिला शिक्षक	
150		150		150		150	
विज्ञान वर्ग के शिक्षक	कला वर्ग के शिक्षक	विज्ञान वर्ग के शिक्षक	कला वर्ग के शिक्षक	विज्ञान वर्ग के शिक्षक	कला वर्ग के शिक्षक	विज्ञान वर्ग के शिक्षक	कला वर्ग के शिक्षक
75	75	75	75	75	75	75	75

आँकड़ो का विश्लेषण–

प्रस्तुत अध्ययन में निर्धारित किये गये उद्देश्यों के सन्दर्भ में विश्लेषण तथा व्याख्या की गयी है जिसमें प्रत्येक उद्देश्य के अध्ययन को पूर्ण करने के लिए लिंग व विषय को आधार बनाया गया है। इसी के अनुरुप शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है, जिसका आधार 0.05 सार्थकता स्तर रखी गयी है जिसके आधार पर इसे स्वीकृत या अस्वीकृत किया जा सकता है।

प्रथम उद्देश्य से सम्बन्धित विश्लेषण व व्याख्या–

1: Corresponding Author

प्रस्तुत अध्ययन पूर्ण करने के क्रम में प्रथम उद्देश्य निर्धारित किया गया था कि– "माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों का लिंग के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना" इस उद्देश्य के अध्ययन को पूर्ण करने के लिए दो शून्य परिकल्पनायें बनायी गयी है जिसको परिकल्पनाओं के आधार पर आगे विश्लेषण व व्याख्या की गयी है

लिंग के आधार पर शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययनः–लिंग के आधार पर शून्य परिकल्पना बनायी गयी थी कि –"माध्यमिक स्तर पर के विद्यालयों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नही है"। अध्ययन के पश्चात निम्नलिखित आँकड़े प्राप्त हुए।

तुलनात्मक समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	CR मूल्य
पुरुष शिक्षक	150	280.43	11.21	1.27	1.47
महिला शिक्षक	150	282.33	10.89		

उपरोक्त विश्लेषण तालिका से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति के प्रति मध्यमान अंक 280.43 तथा मानक विचलन 11.21 है, जबकि महिला शिक्षकों की मध्यमान 282.33 तथा मानक विचलन 10.89 है। जिसमें मानक त्रुटि 1.27 और CR मूल्य 1.47 है जो DF (298) के 0.05 सार्थकता स्तर पर 1.98 से कम है। जिससे बनायी गयी शून्य परिकल्पना लिंग के आधार पर शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति के बीच सार्थक अन्तर नही है, जो स्वतः ही स्वीकृत हो जाती है। इससे स्पष्ट है कि पुरुष एवं महिला शिक्षकों में व्यावसायिक अभिवृत्ति समान होती है।

अध्ययन के पश्चात आँकड़ों से प्राप्त परिणाम इस तरफ संकेत करते हैं कि शिक्षण व्यवसाय में पुरुष अथवा महिला शिक्षक अपने व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता, जवाब देही एवं विषय के प्रति जुड़ाव समान स्तर की होती है। पुरुष एवं महिला दोनों की व्यवसाय के प्रति नियुक्ति की आधारभूत एवं सामान्य मान्यताएं समान स्तर की होती है दोनों में सेवा के प्रति सुरक्षा समान होती है तथा दोनों वर्ग समान रुप से विद्यालयी प्रशासन के अधीन कार्य करते हैं। इसके कारण पुरुष एवं महिला शिक्षकों में व्यावसायिक अभिवृत्ति समान रुप से पाई जाती है।

द्वितीय उद्देश्य से सम्बन्धित विश्लेषण व व्याख्याः–

विषय के आधार पर शिक्षकों के व्यावसायिक अभिवृत्ति का अध्ययनः–विषय के आधार शून्य परिकल्पना बनायी गयी थी कि–"माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों में विषय के आधार पर व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नही है"। व्यावसायिक अभिवृत्ति का मापन करने के लिए मैनें दो समूहो का निर्माण किया था, जिसमें प्रथम समूह में कला वर्ग के विषय में शिक्षणरत शिक्षकों को और दूसरे समूह में विज्ञान वर्ग के विषय में शिक्षणरत शिक्षकों को परीक्षण हेतु रखा था। अध्ययन के पश्चात निम्नलिखित आँकड़े प्राप्त हुए।

तुलनात्मक समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	CR मूल्य
कला वर्ग के शिक्षक	75	284.12	9.09	1.26	4.69
विज्ञान वर्ग के शिक्षक	75	278.31	12.47		

प्रस्तुत अध्ययन के विश्लेषण करने से स्पष्ट है कि कला वर्ग के शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति पर प्राप्तांकों का मध्यमान 284.12 और मानक विचलन 9.09 है तथा विज्ञान वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान 278.31 तथा मानक विचलन 12.47 है। जिनमें मानक त्रुटि 1.26 तथा CR मूल्य 4.69 है जो DF(298) के 0.1 सार्थकता स्तर पर 2.59 से अधिक है, जिनके आधार पर शून्य परिकल्पना स्वतः ही निरस्त हो जाती है इससे स्पष्ट है कि कला एवं विज्ञान के शिक्षकों में व्यावसायिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर होता है। प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट है कि विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के लिए शिक्षण में सहयोग हेतु प्रयोगशाला, वैज्ञानिक शिक्षण विधियाँ, रोचक व प्रभावपूर्ण पाठ्य सामग्री तथा अन्य बहुत से संसाधन होते हैं जिसकी सहायता से शिक्षकों का चिन्तन तथा व्यवहार में वैज्ञानिकता समाहित होती है जबकि कला वर्ग के शिक्षकों के लिए विज्ञान जैसी सामग्री का अभाव होता है तथा यहां तथ्यों एवं कल्पनाओ को महत्व दिया जाता है, जिसके कारण दोनों वर्ग के शिक्षकों में व्यावसायिक अभिवृत्ति में अन्तर देखने को मिलता है।

शैक्षिक निहितार्थः–

प्रस्तुत शोध पत्र से प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या करने पर हम कह सकते हैं कि लिंग के आधार पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई अन्तर नहीं होता है जबकि विषय के आधार पर कला वर्ग के शिक्षकों की अपेक्षा विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक पाई जाती है। अतः कला वर्ग के शिक्षकों को भी व्यावसायिक अभिवृत्ति के प्रति अधिक सजग होकर रुचि के साथ शिक्षण कार्य को सम्पादित करना चाहिए, जिससे भविष्य में होने वाले इस प्रकार के शोध या सर्वेक्षण में यह अन्तर परिलक्षित न हो।

REFERENCES

गुप्ता डॉ0 एस0 पी0–(2018) *अनुसंधान संदर्शिका सम्प्रव्यय, कार्य विधि एवं प्रविधि,* प्रयागराज, शारदा पुस्तक भवन

सारस्वत डॉ0 मालती–(2007) *शिक्षा मनोविज्ञान की रुपरेखा,* लखनऊ, आलोक प्रकाशन

भट्टाचार्या डॉ0 जी0 सी0–(2007–08) *अध्यापक शिक्षा,* आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन

अस्थाना विपिन एवं श्रीवास्तव विजया–(2012–13) *शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी,* आगरा, अग्रवाल पब्लिकेसन्स

गुप्ता डॉ0 एस0 पी0–(2003) *सांख्यिकीय विधियाँ,* प्रयागराज, शारदा पुस्तक भवन

राय पारसनाथ–(2018) *अनुसंधान परिचय,* आगरा, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल